मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। - **शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। हिटमैन ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में अकेले रिकॉर्ड 264 रन बनाए थे।

ओलंपियन दविंदर सिंह गरचा का निधन

जालंधर 10 जनवरी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी का हिस्सा रहे विजेता दविंदर सिंह गरचा का शनिवार को निधन हो गया। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी इकबाल सिंह संधू ने दविंदर सिंह के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि उनके अंतिम संस्कार की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के सभी सदस्यों ने शोकाकुल परिवार के सदस्यों के साथ संवेदना प्रकट करते हुए भगवान से प्रार्थना की कि इस अपूरणीय क्षित को सहने की हिम्मत और शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। सात दिसंबर 1952 को जन्मे गरचा उस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने 1980 के समर ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल छह ओलंपिक मैचों में आठ गोल किए थे और सिर्फ तीन टूर्नामेंट खेलकर 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 19 गोल किए थे। वह मशहूर मोहिंदर सिंह मुंशी हॉकी टूर्नामेंट के अध्यक्ष थे।

फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत पहुंची, दिल्ली में इसका अनावरण किया

नई दिल्ली, 10 जनवरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची , इसका अनावरण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की मौजूदगी में किया। फीफा वर्ल्ड कप 12 साल बाद ट्रॉफी टूर पर भारत लौटा है, इसे दो दिनों तक दिल्ली में रखा जाएगा और उसके बाद इसे भारत से जाने से पहले एक दिन के लिए गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक करेंगे, यह इस चार साल में होने वाले इवेंट का 23वां एडिशन होगा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वस्त्राकर दो हफ्ते के लिए डब्ल्यूपीएल से बाहर

नई दिल्ली 10 जनवरी। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले दो हफ्ते नहीं खेल पाएंगी। आरसीबी ने 2026 सीजन का अपना पहला मैच शुक्रवार रात को खेला, जिसमें उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) को एक रोमांचक आखिरी ओवर में तीन विकेट से हराया। आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है।

पहले वनडे में भारत को न्यूज़ीलैंड से मिलेगी कड़ी चुनौती

वडोदरा, 10 जनवरी। भारत का न्यूज़ीलैंड के साथ घरेलू हालात में खेलना, खासकर वनडे फ़ॉर्मेट में, एक तरह से जाना-पहचाना एहसास है। रविवार को कोटाम्बी स्टेडियम में दोपहर 1.30 बजे शुरू होने वाला पहला वनडे , भारत को यह दिखाने का एक और मौका देगा कि वे अपनी जमीन पर इतनी मजबूत ताकत क्यों रहे हैं। न्यूज़ीलैंड को भारत का अपना पिछला वनडे दौरा ज़्यादा याद नहीं रहेगा। 3-0 से व्हाइटवॉश ने अपनी कहानी खुद बयां की, और यह पैटर्न जारी रहा, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच पिछले पांच वनडे में से हर एक जीता। नंबर झूठ नहीं बोलते, और क्रिकेट में, वे अक्सर पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही कहानी बता देते हैं।

भारत इस सीरीज में एक मजबूत होम रन के दम पर आ रहा है। हाल ही में चार घरेलू वनडे सीरीज जीत चमक के बजाय कंसिस्टेंसी की बात करती हैं। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ, भारत ने दम और मैच्योरिटी दोनों दिखाई - दो बार 300 पार किया और फिर आखिरी मैच में नौ विकेट हाथ में रहते हुए शांति से 271 का टारगेट चेज किया। इस तरह का परफॉर्मेंस बताता है कि बैटिंग यूनिट को पता है कि कब अटैक करना है और, इससे भी जरूरी बात, कब पीछे हटना है।

विराट कोहली, एक बार फिर डटे रहे। उस सीरीज़ में उनके 302 रन, जिसमें दो सेंचुरी और एक नाबाद हाफ सेंचुरी शामिल थी, यह याद दिलाते हैं कि क्लास, जब भूख के साथ मिल जाए, तो खतरनाक चीज होती है। कोहली उन फेज में से एक में दिखते हैं जहां दिमाग के फैसला करने से पहले ही बल्ला बीच में आ जाता है।

भारत को वनडे वाइस-कैप्टन श्रेयस अय्यर की वापसी से भी बढ़ावा मिला है, जो स्प्लीन इंजरी से ठीक होकर वापस आए हैं। उनकी मौजूदगी मिडिल ऑर्डर को मजबूती देती है, जो शुरुआती विकेट गिरने पर बहुत कीमती हो जाती है। मोहम्मद सिराज की वापसी से पेस अटैक मजबूत हुआ है, जबकि शुभमन गिल के शामिल होने से भारत को टॉप और मिडिल में एलिगेंस और भरोसा दोनों मिला है।

हालांकि, न्यूज़ीलैंड सिर्फ़ नंबर बनाने के लिए नहीं आ रहा है। 2025 में भारत से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल हारने के बाद से, उन्होंने चुपचाप मोमेंटम बनाया है, और अपने पिछले नौ वनडे में बिना हारे रहे हैं। पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ लगातार तीन 3-0 की सीरीज जीत ने उन्हें इस टूर से पहले कॉन्फिडेंस दिया है, भले ही पक्का नहीं। डेवोन कॉनवे का फॉर्म विज़िटर्स का हौसला बढ़ाएगा।

टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए वाजिब वक्त मिलना जरूरी : गिल

वड़ोदरा, 10 जनवरी। बीते साल भारत ने 28 सितंबर को दुबई की सरजमीं पर एशिया कप का फ़ाइनल मुक़ाबला खेला और महज चार दिनों के अंतराल के बाद, 2 अक्तूबर से वेस्टइंडीज के विरुद्ध अपनी घरेलू टेस्ट सीरीज का आग़ाज किया। यही सिलसिला आगे भी जारी रहा; टीम ने 8 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया में अपना अंतिम टी20 मैच खेला और फिर 14 नवंबर को अपनी सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ पहला टेस्ट मैच खेलने उतरी। इस टेस्ट सीरीज में भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 से शर्मनाक क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का यह तर्क है कि बीसीसीआई को भविष्य में ऐसे व्यस्त कार्यक्रमों से परहेज़ करना चाहिए, विशेष रूप से टेस्ट सीरीज से ठीक पहले, जब खिलाड़ियों को सीमित ओवरों के क्रिकेट से लाल गेंद के प्रारूप में ढलने के लिए वक़्त की जरूरत होती है। शनिवार को वड़ोदरा में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ भारत के पहले वनडे की पूर्व संध्या पर गिल से पूछा गया कि क्या बीसीसीआई ने उनसे टेस्ट क्रिकेट में सुधार को लेकर कोई सुझाव मांगा था।

गिल ने मसले पर अपनी बात रखते हुए कहा, ''एक अहम सुझाव जिस पर मैं विशेष रूप से ज़ोर दे रहा था, वह यह है कि अगर आप हमारी पिछली दो टेस्ट सीरीज पर गौर करें, तो हमें तैयारी के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाया। किसी दूसरे मुल्क में मुक़ाबला खेलने के महज चार दिन बाद भारत आकर मैदान पर उतरना आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब आप एक लंबे और थका देने वाले दौरे से वापस लौट रहे हों।'' ''मेरा मानना है कि अगर हम दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ वह सीरीज जीत भी जाते, तब भी हक़ीक़त यही रहती कि तैयारी के लिहाज से हम पीछे थे। हम सब वाक़िफ़ हैं कि दुनिया के किसी भी कोने में टेस्ट मैच फतह करने के लिए सही तैयारी कितनी लाजमी है। निजी तौर पर मेरे लिए तैयारी बहुत मायने रखती है, और मुझे महसूस हुआ कि ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद, या एशिया कप के तुरंत बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज से पहले हमारे पास तैयारी का वाजिब समय नहीं था।''

''मेरा यह स्पष्ट मत है कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए कम से कम थोड़ा वक़्त ज़रूर मिलना चाहिए, ख़ास तौर पर तब जब व्हाइट बॉल फ़ॉर्मेट से रेड बॉल क्रिकेट में तालमेल बिठाना हो। यह एक ऐसा गंभीर मसला था जिसे लेकर मैं काफ़ी संजीदा था, और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी टेस्ट सीरीज का आग़ाज करने से पहले टीम बेहतर तरीक़े से तैयार हो सके।''

चार बल्लेबाजों के अर्द्धशतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने बनाये 374/8

बुलावायो, 10 जनवरी। वैभव सूर्यवंशी (96), विहान मल्होत्रा (77), ऐरन जॉर्ज (61) और अभिज्ञान कुंडु (55) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप अभ्यास मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 374 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां टॉस जीतकर स्कॉटलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की अंडर-19 के लिए आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करे हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। सातवें ओवर में ओली जोन्स ने आयुष म्हात्रे 19 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। भारत का दूसरा विकेट 17वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रूप में गिरा, जब वह शतक से महज चार रन पीछे थे। उन्हें मनु सारस्वत ने आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों में नौ चौके और सात छक्के लगाते हुए 96 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में जॉर्ज कटलर ने ऐरन जॉर्ज 58 गेंदों में (61) को अपना शिकार बना लिया।

सेमीफाइनल में हारी सिंधु, टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त

कुआलालंपुर (मलेशिया), 10 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शनिवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ सीजन के पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गये सेमीफाइनल में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में नंबर 18 पर मौजूद पीवी सिंधु महिला एकल में दूसरे नंबर पर मौजूद चीन की वांग झेई से 21-16, 21-15 से हार गईं। पहला गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती पलों में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। लेकिन पीवी सिंधु की बिना वजह की गलतियों ने वांग झेई को 14-14 से आगे बढ़कर 18-14 की बढ़त बनाने का मौका दिया और फिर उन्होंने जीत के साथ गेम खत्म कर दिया। दूसरे गेम की शुरुआत में वांग झेई ने थोड़ी बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मिड-गेम ब्रेक में 11-6 की बढ़त ले ली। ब्रेक के बाद वांग झेई ने फिर से वापसी की, क्योंकि सिंधु की कई बिना वजह की गलतियों ने चीनी शटलर को मैच में पकड़ बनाने का मौका दिया और उन्होंने सीधे गेम में मैच खत्म कर दिया। यह वांग झेई के खिलाफ छह मैचों में पीवी सिंधु की तीसरी हार है। सिंधु की हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। पीवी सिंधु, बाकी भारतीय दल के साथ मंगलवार को इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले इंडियन ओपन 2026 में एक्शन में दिखेंगी। वह पहले राउंड में वियतनाम की गुयेन थुय लिन्ह से भिड़ेंगी।

पीठ की चोट के कारण फोन्सेका एडिलेड में नहीं खेल पाएंगे

एडिलेड, 10 जनवरी। जोआओ फोन्सेका ने एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस लेने के बाद अपने 2026 सीजन की शुरुआत और टाल दी है। 19 साल के ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने पिछले हफ़्ते पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था, और अब वह इसी वजह से एडिलेड में एटीपी 250 में भी नहीं खेलेंगे। फोन्सेका ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल पा रहा हूँ। यह फ़ैसला लेना मुश्किल है। मुझे लगा कि जिन दिनों हम प्रैक्टिस कर रहे थे, हर दिन थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि मैं सौ प्रतिशत ठीक हूँ। उन्होंने कहा, ''हम ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए सौ प्रतिशत ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो हमारा मुख्य लक्ष्य है। वह फ़ैसला अभी नहीं लिया गया है। हम खेलना चाहते हैं, हमें लगता है कि यह संभव होगा। इसलिए हम रिकवरी पर ध्यान देना चाहते हैं, और दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल सका, और मुझे उम्मीद है कि अगले साल और मजबूत होकर वापस आऊँगा।'' एटीपी रैंकिंग में नंबर 29 पर मौजूद फोन्सेका अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए मेलबर्न जाएंगे, जहां उन्होंने 2025 में अपने पहले इवेंट में बड़ा प्रभाव डाला था।

राजधानी

राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने किया पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण

आरआईसी में आयोजित समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़े सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव

जयपुर। विश्व हिंदी दिवस के पावन अवसर पर सिविल लाइंस विधायक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा की नई पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण शनिवार को राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), झालाना में आयोजित समारोह में किया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक की भूमिका राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने लिखी थी। पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख मुलाकातें, राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं।

समारोह को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने आशीर्वचनों से सम्मानित किया, जबकि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी बात रखी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी समारोह को संबोधित किया। विधायक गोपाल शर्मा ने स्वागत उद्बोधन के साथ पुस्तक में शामिल साक्षात्कारों से जुड़े संस्मरण साझा किए। अमर शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व पद्मअनवर खां मांगणियार ने अपने साथियों के साथ सूफी भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी।

गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन प्रेरणास्त्रोत : राज्यपाल बागडे

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विधायक गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन आदर्श पूर्ण रहा है, जो कि नए पत्रकारों के लिए एक संबल भरा मार्गदर्शन और प्रेरणास्त्रोत है। इन्होंने अपने पत्रकारिता के दौरान उस दौर के सभी राजनीतिक दिग्गजों, सामाजिक और अति विशिष्ट व्यक्तियों से मिलकर जो उनके साक्षात्कार किए, वे बहुत सराहनीय हैं। कई साक्षात्कार तो ऐसे हैं जिनसे मुलाकात के बारे में सोचना भी उस वक्त कठिन था। राज्यपाल ने पत्रकारिता में साक्षात्कार विधा को समय के दस्तावेज बताते हुए कहा कि साक्षात्कार वही सार्थक होते हैं, जिनमें लेने और देने वाला दोनों ही विषय और सामयिक संदर्भों के मर्मज्ञ हों। उन्होंने विश्वास जताया कि गोपाल शर्मा की लिखी पुस्तक से पाठक लाभान्वित होंगे।

राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने हिंदी दिवस के पावन अवसर पर ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण किया।

- **पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं**

'आदेश की पालना करो, वरना वीसी हो हाईकोर्ट में पेश'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद विश्वविद्यालय कर्मचारी को बकाया भुगतान नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि आगामी सुनवाई तक अदालती आदेश की पालना की जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने रजिस्ट्रार न्यायिक को कहा है कि वह आदेश की प्रति वीसी कार्यालय में तत्काल भेजें, ताकि आदेश की पालना सुनिश्चित की जा सके। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राजकुमार वर्मा की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने पेश होकर अदालत को बताया कि उसकी ओर से अपनी सेवा के नियमितीकरण और उससे जुडे लाभ के लिए याचिका दायर की थी। जिसके एकलपीठ ने 26 नवंबर, 2021 को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता को नियमित करने को कहा था। इस आदेश के खिलाफ विवि प्रशासन ने खंडपीठ में अपील दायर की थी। खंडपीठ ने 28 मार्च, 2022 को अपील का निस्तारण करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता की सेवा को उस दिन से नियमित माना जाए, जिस तिथि से उससे कनिष्ठ कर्मचारियों को नियमित किया गया था। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ के आदेश की पालना में विवि ने उसकी सेवा को नियमित कर दिया, लेकिन संपूर्ण वित्तीय लाभ और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। ऐसे में अदालती आदेश की अवमानना करने वाले अधिकारियों को दंडित करते हुए आदेश की पालना कराई जाए। वहीं विवि की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के संबंध में वित्तीय स्वीकृति का मामला राज्य सरकार के समक्ष लंबित है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आगामी सुनवाई तक आदेश की पालना नहीं करने पर विवि के कुलगुरु को वीसी या व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा है।

- **अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं**

मानसरोवर दुर्घटना दुखद, समाज में जागरूकता आवश्यक : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मानसरोवर क्षेत्र में हुई दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि इस हादसे में निर्दोष लोग घायल हुए हैं तथा जनहानि भी हुई है। सरकार द्वारा मामले की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी लेकिन ऐसी घटनाएं अत्यंत दुखद हैं और इन पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में भी जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को तेज गति से वाहन नहीं चलाना चाहिए। समय प्रबंधन के साथ सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता देना जरूरी है। कानून अपना काम करेगा, इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, महामंत्री भूपेंद्र सैनी सहित भाजपा पदाधिकारियों ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर घायलों से कुशलक्षेम जानी और चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महात्मा गांधी जी का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी जी के नाम पर राजनीतिक लाभ लिया। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा था कि कांग्रेस एक आंदोलन है, और देश आज़ाद होने के बाद इस आंदोलन को समाप्त कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस के मूल स्वरूप को समाप्त कर दिया गया। पहले दो बैलों की जोड़ी का चुनाव चिन्ह था, फिर गाय-बछड़ा, और अब हाथ का पंजा- यह किस विचारधारा की कांग्रेस है, यह सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रात: स्मरण में भी महात्मा गांधी सहित महापुरूषों को स्मरण किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम गांधीवादी समाज को मानते हैं, लेकिन गांधी के नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने का विरोध करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वीबी जी - राम जी (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) योजना पर बोलते हुए कहा कि यदि योजना के नाम में राम का नाम आता है, तो उस पर आपत्ति क्यों की जा रही है।

- **आरएसएस के प्रातः स्मरण में भी महात्मा गांधी को किया जाता है याद, कांग्रेस ने गांधी के नाम पर सेंकी राजनीतिक रोटियां : मदन राठौड़**

पावटा में फ्लाईओवर के लिए टीम ने जायजा लिया

पावटा। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पावटा कस्बे में बढ़ ते जाम से निजात दिलाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर फ्लाईओवर व अंडरपास निर्माण की मांग की है। शर्मा ने पत्र में बताया कि पावटा उपखण्ड मुख्यालय पर राजमार्ग निर्माण के दौरान पूर्व में एक अत्यंत छोटा अंडरपास बनाया गया था। संकीर्ण निर्माण के चलते प्रतिदिन भारी जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे कस्बे का सामान्य आवागमन प्रभावित रहता है।

जन स्वास्थ्य मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन तहसील मुख्यालय के ग्राम पंचायत जसराना में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा प्रभारी मंत्री के समक्ष ग्राम पंचायत एवं ढाणियों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन,सड़क निर्माण, रास्ते पर अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन,राजकीय विद्यालय के लिए भूमि सहित अन्य परिवाद प्रस्तुत किये। जिनकी सुनवाई कर प्रभारी मंत्री चौधरी ने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगजनों को व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को पीपीओ प्रमाण पत्र, स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को पट्टे एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति सहित अन्य लाभ प्रदान किये।

इस दौरान प्रभारी मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों से संवाद कर राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं वीबी- जी रामजी के बारे जानकारी दी।